जज की पहचान निष्पक्षता व न्याय के लिए प्रतिबद्धता

जस्टिस एके पालीवाल के विदाई समारोह में बोले सीजे सचदेवा

जबलपुर,19 दिसम्बर, मप्र हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा ने कहा कि एक जज की पहचान उसका पहनावा नहीं होता बल्कि निष्पक्षता, ईमानदारी व न्याय के लिए प्रतिबद्धता ही उसकी मूल पहचान बनते हैं। इस दृष्टि से जस्टिस अचल कुमार पालीवाल का कार्यकाल चिरस्मरणीय रहेगा।

उन्होंने अपने कार्यकाल में निष्ठा और गंभीरता का परिचय दिया। साथ ही कई अहम आदेश पारित किए। चीफ जस्टिस श्री सचदेवा हाईकोर्ट से 25 दिसंबर को सेवानिवृत्त होने जा रहे जस्टिस अचल कुमार पालीवाल के सम्मान में आयोजित विदाई समारोह में बोल रहे थे। इस दौरान अन्य सभी न्यायाधीश मंचासीन थे। असिस्टेंट सालिसिटर जनरल सुनील जैन, अतिरिक्त महाधिवक्ता हरप्रीत सिंह रूपराह, स्टेट बार चेयरमैन राधेलाल गुप्ता, हाईकोर्ट बार के सचिव परितोष त्रिवेदी, हाईकोर्ट एडवोकेट्स बार के अध्यक्ष संजय अग्रवाल व सीनियर एडवोकेट्स काउंसिल के महासचिव आदित्य अधिकारी ने जस्टिस श्री पालीवाला का व्यक्तित्व-कृतित्व रेखांकित किया। दरअसल मूलतः उत्तर प्रदेश निवासी जस्टिस अचल कुमार पालीवाल ने अपने सम्मान में आयोजित विदाई समारोह के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि मैं अति भाग्यशाली हूं, जो इतने पवित्र और प्रतिष्ठित संस्थान न्यायपालिका का अंग बना। मैंने कभी जज बनने का सपना नहीं देखा था। पढ़ाई के बाद पीएससी की तैयारी कर रहा था। इसके साथ ही सिविल जज का एग्जाम भी दे दिया और क्लियर कर लिया। फिर क्या था न्यायिक सेवा में आ गया। उसके बाद भी एक दिन हाईकोर्ट जज बनूंगा, यह नहीं सोचा था, किंतु ईश्वर की कृपा व माता-पिता के आशीर्वाद से यह मुकाम मिल गया।

नियमों को ताक में रखकर एलडीसी को बना दिया स्टेट बार काउंसिल का सचिव

जबलपुर। लोअर डिवीजन क्लर्क को नियम विरुद्ध स्टेट बार काउंसिल का सचिव बनाये जाने को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की गयी थी। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा तथा जस्टिस विनय सराफ ने याचिका की सुनवाई करते हुए श्रीमती गीता शुक्ला को सचिव पद से हटाकर उनके मूल पद पर भेजने के आदेश जारी किये है। युगलपीठ ने अपने आदेश में कहा है कि स्टेट बार काउंसिल दो माह में सचिव पद की नियुक्ति प्रक्रिया पूर्ण कर न्यायालय को अवगत करवाये। स्टेट बार काउंसिल सदस्य शैलेंद्र वर्मा,अहादुल्ला उस्मानी सहित अन्य पांच की तरफ से दायर की गयी याचिका में कहा गया था कि श्रीमती गीता शुक्ला लोअर डिवीजन क्लर्क के पद पर पदस्थ थी।

सिंगरौली में आचार संहिता की खुलेआम धज्जियां!

- भाजपा मंत्री और नेताओं पर कांग्रेस का गंभीर आरोप
- कलेक्ट्रेट परिसर बना राजनीतिक अखाड़ा

सिंगरौली. नगर पालिका निगम सिंगरौली के वार्ड क्रमांक 34 में पार्षद उपचुनाव को लेकर आज नामांकन दाखिल करने का अंतिम दिन था। इसी दौरान सिंगरौली की राजनीति उस वक्त गरमा गई जब कांग्रेस ने भाजपा के मंत्री, नेताओं और कार्यकर्ताओं पर आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का गंभीर आरोप लगाया।

कांग्रेस का आरोप है कि पंचायत राज मंत्री राधा सिंह की अगुवाई में भाजपा के सैकड़ों कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट परिसर में नारेबाजी करते हुए, पार्टी झंडे और बाजे के साथ प्रवेश कर गए। मंत्री राधा सिंह के साथ भाजपा की ओर से घोषित पार्षद प्रत्याशी अशोक सिंह का नामांकन दाखिल कराया गया। इस दौरान न केवल कलेक्ट्रेट परिसर बल्कि कलेक्टर कार्यालय के भीतर भी राजनीतिक नारेबाजी किए जाने का दावा किया गया है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि चुनाव आचार संहिता लागू होने के बावजूद सत्ता के नशे में चूर भाजपा नेताओं ने नियमों को ताक पर रख दिया, लेकिन प्रशासन और पुलिस मूकदर्शक बनी रही। कांग्रेस कार्यकर्ता इस पूरे मामले को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय पहुंचे और औपचारिक शिकायत दर्ज कराई, साथ ही दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। कांग्रेस ने सवाल उठाया है कि जब आम प्रत्याशी को सीमित संख्या में समर्थकों के साथ नामांकन की अनुमति होती है, तो भाजपा मंत्री और सैकड़ों कार्यकर्ताओं को कैसे कलेक्ट्रेट परिसर में शक्ति प्रदर्शन की छूट दी गई? क्या यह प्रशासन की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न नहीं है?

एक नजर में

कलेक्टर ने की आर्थिक अनियमितता पर कार्यवाही

आलीराजपुर. कलेक्टर नीतू माथुर की अध्यक्षता गबन धोखाधड़ी संबंधित बैठक संपन्न हुई. बैठक मे जिला सहकारी बैंक शाखा आलीराजपुर मे हुई आर्थिक अनियमितता के प्रकरण मे हुई कार्यवाही, समिति आंबुआ, समिति आंमखूट, मे आर्थिक अनियमितता पर की गई कार्यवाही की समीक्षा कलेक्टर माथुर ने की. कलेक्टर ने समिति कटठीवाडा व शाखा कटठीवाडा की जांच प्रतिवेदन भी एक सप्ताह में प्रस्तुत करने के निर्देश दिये. इस दौरान कलेक्टर माथुर ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि भविष्य में किसी भी समिति या बैक शाखा में वित्तय अनियमितता न हो इसके लिए शाखाओं की नियमित जॉच करें .

खेल-खेल में 5 का सिक्का निगल गया मासूम

शाजापुर. नगर के लक्ष्मी नगर में एक 3 साल के बच्चे के गले में खेलते समय 5 रुपए का सिक्का फंस गया. घटना शुक्रवार शाम करीब 6 से 7 बजे के बीच हुई. बच्चे की तबीयत बिगडने पर परिजन उसे तुरंत शाजापुर जिला अस्पताल ले गए,जहां डॉक्टरों की तत्परता से उसकी जान बच गई. बच्चे के पिता बदल जाटव ने बताया कि उनका बेटा लक्ष्य घर पर खेल रहा था. इसी दौरान उसने 5 रुपए का सिक्का मुंह में डाल लिया, जो अचानक उसके गले में फंस गया. परिजनों ने खुद सिक्का निकालने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो पाए. इसके बाद वे बच्चे को लेकर तत्काल जिला अस्पताल पहुंचे.

इंदौर में पहली बार ब्लैक पैंथर दिखने का दावा

वन विभाग ने किया खारिज

12 साल के बच्चे ने खींची फोटो

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर में ब्लैक पैंथर दिखने की खबर ने शहर में सनसनी फैला दी है. सोशल मीडिया पर आया वीडियो और तस्वीरें सच निकलीं. लोगों ने इसे डीपफेक जांच टीम और एआई एक्सपर्ट ने फोटो-वीडियो को असली बता दिया है.

जबकि डीएफओ ने इसे मात्र अफवाह बताया है. वन विभाग मामले में जांच पड़ताल कर रहा है. और किसी भी तरह की अफवाह से बचाने की सलाह दी है.

इंदौर के कैट क्षेत्र की बस्ती में पिछले दिनों ब्लैक पैंथर दिखने का वीडियो और फोटो वायरल हुए थे. दावा किया गया था कि इलाके में रहने वाले 12 साल के एक बच्चे ने काले तेंदुए की तस्वीर मोबाइल से ली है. वायरल होने के बाद मामला वन विभाग तक पहुंचा.

क्रिकेट खेल में भाईचारे को बढ़ाता है : निर्मला

क्रिकेट खेलकर शारीरिक और मानसिक स्फूर्ति का संचार करें

झाबुआ। झाबुआ एवं आलीराजपुर जिले के पत्रकारों के लिए आयोजित झाबुआ मीडिया ट्राफी 2.0 का शहर के कॉलेज मैदान पर 19 दिसंबर, शुक्रवार सुबह 10 बजे से शुभारंभ हुआ।

शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मप्र शासन की केबिनेट मंत्री निर्मला भूरिया उपस्थित रहीं। विशेष अतिथि के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष भानू भूरिया, एवं भाजपा खेल प्रकोष्ठ जिला संयोजक शैलेष बिट्टू सिंगार मौजूद रहे। अध्यक्षता जिला जनसंपर्क अधिकारी जिनेन्द्र सागोरिया ने की। अतिथियों ने प्रारंभ में मां सरस्वतीजी की तस्वीर पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन किया। बाद अतिथियों का स्वागत पुष्पमालाओं से झाबुआ मीडिया ट्राफी 2.0 के आयोजक भूपेन्द्रसिंह गौर, पियूष गादिया, मुकेश परमार, वरिष्ठ पत्रकार यशवंतसिंह पंवार, चन्द्रभानसिंह भदौरिया, अहद खान, सचिन बैरागी, विरेन्द्रसिंह राठौर 'भईजी', आलोक द्विवेदी, मनोज भानपुरिया, महेश राठौर, मनोज अरोरा आदि ने किया। स्वागत उद्बोधन आयोजक मुज्जमिल खान ने देते हुए मंचासीन अतिथियों का शब्दों के माध्यम से अभिनंदन किया।

कारोबारी ने 40 लाख किए सरेंडर

नवभारत न्यूज

रीवा, 19 दिसम्बर, मऊगंज जिले के देवतालाब क्षेत्र में बुधवार को जीएसटी एंटी इवेजन ब्यूरो की टीम ने विश्वकर्मा फर्नीचर एण्ड बिल्डिंग मटेरियल प्रतिष्ठान में छापामार कार्यवाही की थी.

लगातार तीसरे दिन भी कार्यवाही जारी रही और कार्यवाही पूरी होने पर संचालक ने 40 लाख रूपये सरेंडर किये है. टीम ने क्रय-विक्रय से जुड़े दस्तावेज जप्त किये है जिसका मिलान कर कर अपवंचन की राशि निकाली जाएगी. तीन दिन तक चली कार्यवाही में 40 लाख का कर अपवंचन मिला है. संयुक्त आयुक्त राकेश साल्वी के निर्देश पर डिप्टी कमिश्नर उमेश त्रिपाठी के मार्गदर्शन में कार्यवाही तीन

लोहा के बड़े कारोबारी शिवेन्द्र कुमार वर्मा के फर्म विश्वकर्मा फर्नीचर एण्ड बिल्डिंग मटेरियल पर कर अपवंचन को लेकर टीम द्वारा दुकान और गोदाम में कार्यवाही शुरू की गई थी. बुधवार की दोपहर सतना एवं रीवा की संयुक्त टीम द्वारा कार्यवाही सहायक आयुक्त अभिनव त्रिपाठी एवं राजीव गोयल के नेतृत्व में तीन दिन तक कार्यवाही की. गुरूवार की रात कार्यवाही पूरी नही हुई, जिसके बाद प्रतिष्ठान को सीज किया गया था.

10 माह से फरार बलात्कार आरोपी गिरफ्तार

मंदसौर. पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीणा के निर्देश पर सुवासरा पुलिस ने 10 माह से फरार चल रहे 5000 रुपये ईनामी आरोपी गुरप्रीत सिंह (30), पिता पुरनसिंह राय सिक्ख, निवासी खेरा कला, थाना सरदुलगढ़, जिला मानसा (पंजाब) को मानसा से गिरफ्तार किया. दिनांक 06.02.2025 को आरोपी के खिलाफ शादी का झांसा देकर बलात्कार करने की रिपोर्ट थाना सुवासरा में दर्ज कराई गई थी. आरोपी फरार रहने के कारण 5000 रुपये का इनाम घोषित किया गया था. तकनीकी साक्ष्य के आधार पर निरीक्षक अनिल रघुवंशी व टीम ने आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता पाई. इस सराहनीय कार्रवाई में थाना सुवासरा, चौकी प्रभारी, साइबर सेल और आरक्षक टीम के सदस्यों का विशेष योगदान रहा.

29 करोड़ का बैंक लोन घोटाला उजागर

06 कारोबारी दोषी पाए गए

इंदौर. शहर की दो बैंकों से करोड़ों का लोन लेकर मशीनरी खरीदने का वादा कर रकम हड़पने का मामला उजागर हुआ है. आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो की जांच में छह संचालक धोखाधड़ी में दोषी पाए गए हैं. जल्द ही इनके खिलाफ अपराध दर्ज होगा.

शहर की दो अलग-अलग बैंकों से करोड़ों का लोन लेकर धनराशि गबन करने का बड़ा मामला सामने आया है. आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो के सूत्रों ने बताया कि जांच में यह बात सामने आई कि दो फर्मों के संचालकों ने मशीनरी खरीदने के नाम पर बैंक से लोन तो ले लिया, लेकिन रकम का इस्तेमाल निजी कार्यों में कर दिया और किश्तें जमा करना भी बंद कर दीं. मामले में एचडीएफसी बैंक से एक फर्म के दो संचालकों ने करीब 7 करोड़ रुपए का लोन लिया था. मशीन खरीदने के लिए स्वीकृत रकम को इन्होंने अपने निजी उपयोग में खर्च कर दिया. बैंक की शिकायत पर ईओडब्ल्यू ने जांच करते हुए यह धोखाधड़ी पकड़ी. इसी तरह कॉस्मो बैंक से दूसरी फर्म के चार डायरेक्टरों ने लगभग 22 करोड़ रुपए का लोन लिया था. आरोप है कि इन लोगों ने भी मशीन खरीदने के बजाय बैंक की राशि हड़प ली और लंबे समय से किश्तें जमा नहीं कीं. जांच अधिकारी एसपी रामेश्वर यादव के का कहना है कि जांच पूरी होने पर दोनों मामलों में कुल छह लोगों को दोषी पाया गया है.

मुख्यालय से अनुमति मिलते ही आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाएगी. ब्यूरो ने लोन दस्तावेज, बैंक रिकॉर्ड और फर्म लेनदेन के आधार पर पूरा मामला प्रमाणित किया है. अधिकारियों का कहना है कि यह घोटाला कई करोड़ रुपए के बैंकिंग सिस्टम को नुकसान पहुंचाने वाला गंभीर आर्थिक अपराध है. मामले में पुलिस जल्द ही गिरफ्तारी कर सकती है.

3 कॉलोनियों को किया अवैध घोषित

कॉलोनी विकसित करने की नही ली थी अनुमति

02 नोटिस के बाद कार्यवाही

छिंदवाड़ा. शहर से सटे 5 से 6 किलो मीटर के दायरे में इस समय अवैध कालोनियां के विस्तार के साथ मकान बनाने का काम धड़ल्ले से चल रहा है. कृषि भूमि पर आवासीय प्लाट काटे जा रहे हैं. वर्तमान में दर्जनों जगह अवैध कॉलोनियां काटी जा रही हैं.

कुछ वर्षो में भू माफियाओं ने अवैध कालोनियों से शहर का नक्शा बिगाड रखा है.अब नगर निगम ऐसे ही कॉलोनियों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कार्यवाही कर रही रहा है. आज नगर निगम ने तीन कॉलोनियों को अवैध घोषित किया है. प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर निगम ने खजरी, चंदनगांव और नोनिया करबल क्षेत्र में विकसित की जा रही कॉलोनियों के खिलाफ कार्यवाही की है. प्राप्त जानकारी के अनुसार खजरी , चंदनगांव और नोनिया करबल में कुछ लोगों द्वारा कॉलोनियां बनाने के लिए प्लाट काट कर बेचे जा रहे थे. इन लोगों ने नगर निगम से कॉलोनी विकसित करने की कोई अनुमति नही ली थी.

पहला मामला

खजरी में अब्दुल एजाज पिता अब्दुल कुरेशी ने वार्ड क्रमांक 03 मौजा खजरी में बिना ले-आउट स्वीकृति, बिना कॉलोनाइजर लाइसेंस, पंजीयन और विकास अनुमति के भूमि को छोटे-छोटे भूखंडों में विभाजित कर विक्रय किया है. नगर निगम के संयुक्त निरीक्षण के दौरान अवैध कॉलोनी पाए जाने पर पंचनामा तैयार किया गया था और अब्दुल एजाज को नोटिस जारी किया था. उक्त नोटिस का संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर कॉलोनी को अनाधिकृत घोषित किया गया है.

दूसरा मामला: नोनीया करबल में याकूब कुरैशी पिता शेर मुहम्मद और सिब्तेन राजा पिता याकूब कुरैशी द्वारा नोनीया करबल में बिना वैधानिक अनुमति के 9 भूखंडों में विभाजन कर अवैध कॉलोनी विकसित की गई.

खरगोन में पदस्थ इंस्पेक्टर रावत का धार की होटल में मिला शव

खरगोन. शहर पुलिस लाईन में पदस्थ इंस्पेक्टर करण सिंह रावत का शव पड़ोसी जिले धार की एक होटल में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला है. होटल के कमरे में खून के निशान भी मिले हैं. श्री रावत की ड्यूटी उर्स मेले में लगाई गई थी. मिली जानकारी अनुसार धार के मोहन टॉकिज चौराहे पर शिवानी नाम की एक होटल के कमरा नंबर 108 में इंस्पेक्टर रावत निवासी अलीराजपुर पिछले 8 दिन से रुके हुए थे. शुक्रवार सुबह जब देर तक कमरे से बाहर नही आए और कोई हलचत नही होने पर होटल कर्मचारियों ने पुलिस को सूचना दी. पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में कमरा खोला गया.

26 लाख के 160 गुम मोबाइल ढूंढकर लौटाए

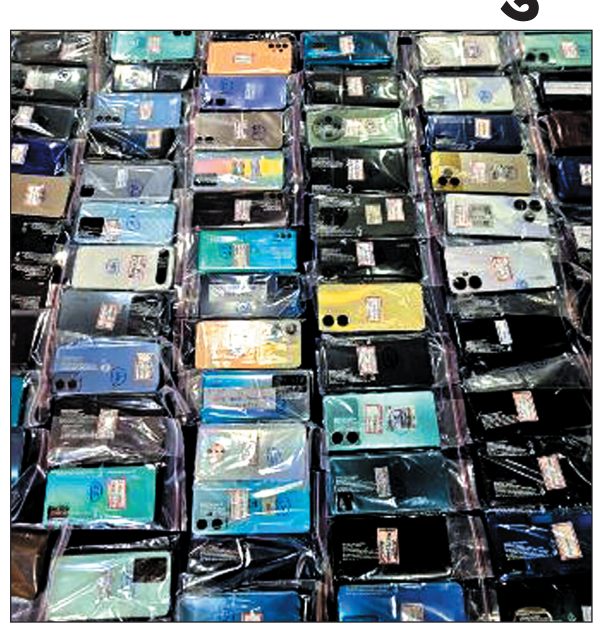

- अभियान हर्ष में सायबर सेल को मिली बड़ी सफलता

नीमच. अभियान हर्ष के तहत नीमच पुलिस को बड़ी सफलता मिली है. सायबर सेल नीमच ने 26 लाख रुपये से अधिक मूल्य के 160 गुम मोबाइल फोन रिकवर कर उनके वास्तविक धारकों को लौटाए. पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित वितरण कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल ने मोबाइल फोन सौंपे.

एसपी जायसवाल ने बताया कि सीईआईआर पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों पर सायबर सेल व जिले के थानों की त्वरित कार्रवाई से यह सफलता मिली. बरामद मोबाइल 8 हजार से 65 हजार रुपये मूल्य के हैं, जिन्हें मध्यप्रदेश सहित राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली और उत्तरप्रदेश से ट्रेस किया गया.

उन्होंने बताया कि 1 जनवरी से 19 दिसंबर 2025 तक कुल 360 गुम मोबाइल (कीमत लगभग 71 लाख रुपये) रिकवर कर लौटाए जा चुके हैं. इस अभियान में एएसपी नवलसिंह सिसौदिया के मार्गदर्शन में सायबर सेल टीम का सराहनीय योगदान रहा. एसपी ने नागरिकों से अपील की कि मोबाइल गुम होने पर तुरंत सीईआईआर पोर्टल या नजदीकी पुलिस थाना/सायबर सेल में शिकायत दर्ज कराएं.

शुभारंभ | उप मुख्यमंत्री ने वार्षिक इंटरक्लास खेल प्रतियोगिता का किया शुभारंभ

खेल देता है धैर्य से कार्य करने की प्रेरणा : शुक्ल

रीवा, 19 दिसम्बर, उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि खेलों से धैर्य और संजीदगी से कार्य करने की प्रेरणा मिलती है. खेल के मैदान की खेल भावना जीवन के हर क्षेत्र में आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त करती है.

शुक्ल ने पशु चिकित्सा महाविद्यालय रीवा में 18वीं वार्षिक इंटरक्लास खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया. उन्होंने खिलाडियों को शपथ दिलाकर तथा मशाल प्रज्जवलित का प्रतियोगिता का शुभारंभ किया. पशु चिकित्सा महाविद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल हमें अंतरिक शक्ति देते हैं तथा खेल के मैदान से मिली सीख हमारे व्यक्तित्व को निखारती है. उन्होंने कहा कि खेलों में भाग लेने वाले प्रतिभागी हारने वाले को भी बधाई देकर आगे बढने की कामना करता है. खेल के मैदान में मानव के अवगुण जैसे ईर्ष्या, द्वेष व जलन खेल भावना के कारण दूर हो जाती है और सभी खिलाड़ी आपस में भाईचारे के साथ खेलों में भाग लेते हैं.

उप मुख्ममंत्री ने कहा कि मनुष्य का जीवन पशुधन के बिना अधूरा है. पशु चिकित्सा महाविद्यालय के छात्र पढ़ाई के साथ-साथ खेल व अन्य गतिविधियों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हैं यह प्रशंसनीय है. उन्होंने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि वह हर क्षेत्र में आगे बढ़े और विकसित भारत के निर्माण में सहभागी बनें. इससे पूर्व पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय के कुलगुरू मनदीप शर्मा ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि उप मुख्यमंत्री के प्रयासों से ही रीवा ने हर क्षेत्र में प्रगति की है.

अभ्युदय मध्यप्रदेश ग्रोथ समिट-2025 में हितग्रहियों को मिलेगा लाभ, लगेगी प्रदर्शनी

ग्वालियर। 25 दिसंबर को आयोजित होने जा रही अभ्युदय मध्यप्रदेश ग्रोथ समिट-2025 की तैयारियों को लेकर उधोग विभाग के आयुक्त दीलिप कुमार ने वीडियो कॉन्फेंसिंग के माध्यम से अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में अधिकारियों को अभ्युदय मध्यप्रदेश ग्रोथ समिट में एमएसएमई विभाग की तैयारियों को लेकर दिशा निर्देश दिए। बैठक में उधोग विभाग के आयुक्त दीलिप कुमार ने निर्देश दिए कि विभाग की सफलताओं एवं योजनाओं से जुडी प्रदर्शनी लगाई जाए। जिससे आमजनों को विभाग की जानकारी मिल सके और वह इसका लाभ लें सकें.

लोग बने मर्जी के मालिक, निगम बेबस क्यों

खंडवा,19 दिसंबर । निगम के कानून हाथ में लेकर मर्जी से निर्माण करने वालों ने सिस्टम खराब कर दिया है। निगम के कुछ कर्मचारी और अधिकारी भी जरा से लालच में लोगों की जिंदगी दांव पर लगा देते हैं ? मुख्य बाजारों के बेसमेंट धड़ल्ले से चल रहे हैं। निगम भी इनके खिलाफ मुहिम चलाती है,और मतलब निकल जाने पर फाइलें दबा देती है।

असली दोषी निगम के वे रक्षक ही हैं जो कानून का पालन कर शहर को व्यवस्थित करने के लिए नियुक्त किए गए हैं? हाल ही में एसडीएम से तकरार हुई तो कलेक्टर के पास शिकायत पहुंच गई थी। निगम की कार्यप्रणाली अब खराब हो रही है। इस पर समय रहते कंट्रोल जरूरी है।

मुहिम क्यों रोक दी गई?

बेसमेंट के मामले में निगम ने बड़ी मुहिम के साथ कार्रवाई 2024 में की थी। उसके बाद भी शहर में धड़ल्ले से नए बेसमेंट बनाए गए। 2025 दिसंबर तक अनेक स्थानों पर नए बेसमेंट बनकर संचालित हो रहे हैं। निगम की कार्यशैली संदेह के दायरे में आ गई है। कलेक्टर की नजर ऐसे मामलों में तो है ही साथ ही यातायात विभाग भी लगातार इस तरह के मामलों पर निगम से पत्र व्यवहार भी लगातार करती रहती है। ट्रैफिक रोड पर लगता है तो सबसे ज्यादा यातायात विभाग को ही टारगेट किया जाता है। निगम की बिल्डिंग परमिशन के अनुसार कार्य नहीं हो रहा है। बेसमेंट के कुछ परमिशन है लेकिन पार्किंग के लिए गए हैं जिसमें दुकान चल रही हैं।

बिना इजाजत बना रहे थे बेसमेंट

हाल ही में सतपाल चावला के तीन मंजिला भवन गिरने से बड़ा खुलासा हुआ है। इस मामले में चावला ने एफआईआर भी दर्ज करवा दी है। बताते हैं कि पड़ोस में खैराजमल नाम के व्यक्ति अपनी जमीन पर बिना अनुमति के बेसमेंट बना रहे थे। इसके लिए गहरी खुदाई कर दी थी। पड़ोस की तीन मंजिला इमारत ही धराशाई हो गई।

इसमें निगम के अधिकारी और कर्मचारियों पर कब करवाई होगी? निगम की खिड़कियों पर समग्र आईडी,जन्म प्रमाण पत्र जैसे काम के लिए भी लोग चक्कर लगाते हैं।